वर्ष-2, अंक 10, अक्टूबर, 2019

राज भवन

संवाद

राज भवन, बिहार की मासिक पत्रिका

विशेष आकर्षण

- राजभवन में 'पोषण माह' के अन्तर्गत 'अन्नप्राशन समारोह' आयोजित
- राज्य के विश्वविद्यालयों की हुई पृथक-पृथक समीक्षा
- शिष्टाचार मुलाकातें

महामहिम राज्यपाल से भारतीय विदेश सेवा के अधिकारी मिले

राजभवन में भारतीय विदेश सेवा के अधिकारियों से मुलाकात के दौरान राज्यपाल श्री चौहान– दिनांक 27 सितम्बर, 2019

''बिहार–विभाजन के बाद झारखंड राज्य में अधिकांश खनिज–संपदा चले जाने के बाद बिहार का आर्थिक विकास अब मूलतः कृषि पर ही आधारित हो गया है।''–उक्त बातें, महामहिम राज्यपाल श्री फागू चौहान ने बिहार परिभ्रमण पर आये भारतीय विदेश सेवा के अधिकारियों से मुलाकात के दौरान की। ये अधिकारी 27 सितम्बर को राज्यपाल से मिलने राजभवन पहुँचे थे। राज्यपाल ने अधिकारियों को बताया कि खाद्य–प्रसंस्करण उद्योगों की स्थापना हेतु 'नई औद्योगिक प्रोत्साहन–नीति' के जरिये निवेशकों को आकर्षित करने के प्रयास हो रहे हैं। राज्यपाल ने 'कृषि रोड मैप' के माध्यम से राज्य में 'समेकित कृषि' (Integrated Farming) के विकास हेतु किए जा रहे प्रयासों की भी उन्हें जानकारी दी।

मुलाकात के दौरान बिहार की विरासत एवं यहाँ हो रहे विकास–कार्यों के बारे में जिज्ञासा व्यक्त किये जाने पर महामहिम राज्यपाल श्री चौहान ने अधिकारियों को बताया कि बिहार की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत अत्यन्त समृद्ध रही है। उन्होंने बताया कि बोधगया, नालंदा, राजगीर, विक्रमशिला, वैशाली जैसे कई महत्वपूर्ण पर्यटकीय स्थल बिहार में हैं, जहाँ लाखों देशी–विदेशी पर्यटक प्रतिवर्ष भ्रमण के लिए आते हैं। राज्यपाल ने कहा कि बौद्ध धर्मावलम्बियों के लिए आकर्षण के प्रमुख केन्द्र बोधगया की अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति है।

राज्यपाल श्री चौहान ने अधिकारियों को बताया कि बिहार एक ऐसा आपदा–प्रवण राज्य है, जिसका आधा हिस्सा सुखाड़ से तो आधा बाढ़ से तबाह हो जाता है। राज्यपाल ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न स्व॰ अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल में नदियों को आपस में जोड़ कर समुचित जल–प्रबंधन की नीति बनी थी, जिसपर सभी राज्यों से समुचित विमर्श कर ठोस कार्य करने की आवश्यकता है। राज्यपाल ने कहा कि वर्तमान में हो रहे जलवायु–परिवर्तन की दृष्टि से भी हमें अपनी तैयारियों को माकूल ढंग से समंजित करने की जरूरत है। राज्यपाल ने 'जल–जीवन हरियाली' के लिए प्रदूषण–नियंत्रण एवं काफी संख्या में वृक्षारोपण करते हुए हरित–आवरण बढ़ाये जाने की आवश्यकता को रेखांकित किया और इस दृष्टि से राज्य में हो रहे प्रयासों से, मिलने आए भारतीय विदेश सेवा के अधिकारियों को अवगत कराया।

राज्यपाल ने अधिकारियों को बताया कि उच्च शिक्षा में गुणवत्ता–विकास के प्रयासों को तेज करने के लिए उन्होंने सभी कुलपतियों को निदेशित किया है। उन्होंने कहा कि राज्य में सत्रों को नियमित करने हेतु अकादमिक एवं 'परीक्षा–कैलेण्डर' का अनुपालन करने को कहा गया है तथा विश्वविद्यालयीय क्रियाकलापों के 'डिजिटीकरण' हेतु 'University Management Information System' लागू कर दिया गया है।

राज्यपाल के साथ अधिकारियों ने विदेश सेवा में अपने अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा तेजी से बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि केन्या जैसे कई देश भारत की समेकित प्रगति के साथ–साथ इसके विभिन्न राज्यों के विकास में भी अभिरूचि रखते हैं। उन्होंने कहा कि बिहार राज्य के पर्यटकीय स्थलों की महत्ता से विदेशियों को अवगत कराने की दिशा में सार्थक प्रयास किये जायेंगे।

राज्यपाल से भारतीय विदेश सेवा के अधिकारियों– श्री आशीष कुमार सिन्हा, सुश्री मनुस्मृति एवं सुश्री स्वधा रिजवी की मुलाकात के दौरान राज्यपाल के प्रधान सचिव श्री ब्रजेश मेहरोत्रा भी उपस्थित थे।

अक्टूबर का महीना विभिन्न दृष्टियों से इस बार हम सभी के लिए विशेष महत्व का है। राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी का '150वाँ जयंती वर्ष' हम आयोजित कर रहे हैं। राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी जी ने कहा था कि 'मेरा जीवन ही मेरे संदेश हैं।' अर्थात् अपने विचार–दर्शन को उन्होंने जीवन में ही उतारकर इनकी उपादेयता प्रमाणित कर दी थी। सत्य और अहिंसा गाँधी–दर्शन के बीज–मंत्र तो हैं ही; परन्तु 'स्वदेशी' और 'स्वच्छता' को लेकर महात्मा गाँधी के विचार भी वर्तमान युग के लिए काफी महत्वपूर्ण हैं। महात्मा गाँधी ने कहा था कि प्रकृति मनुष्य की हर तरह की जरूरत (Need) को तो पूरा करने में सक्षम है; परन्तु उसकी लालच (Greed) को शांत करने में उसकी लाचारी है। प्रकृति के साथ सामंजस्य बिठाकर ही हम अपना कल्याण कर सकते हैं अन्यथा प्राकृतिक संसाधनों के असीमित दोहन से मानवीय अस्तित्व पर ही संकट के बादल छाने लगेंगे। अतएव, हमें प्राकृतिक उपादानों के संरक्षण का भी दायित्व पूरी तत्परता के साथ निभाना है।

विश्वविद्यालय और महाविद्यालय परिसरों में स्वच्छता और सफाई के लिए नियमित 'विशेष अभियान' चलाते हुए हम बापू के 'स्वच्छता' के संदेश पर अमल कर सकते हैं। शिक्षण संस्थानों में काफी संख्या में वृक्षारोपण करते हुए हमें 'हर परिसर–हरा परिसर' के कार्यक्रम को पूरी तरह सफल बनाना है। शिक्षण संस्थानों के सौन्दर्यीकरण के अभियान को तेज करने के लिए आधारभूत संरचना–विकास के कार्यों को भी प्राथमिकतापूर्वक पूरा करना होगा। मुझे विश्वास है, सभी विश्वविद्यालय/महाविद्यालय अपने दायित्वों को बखूबी निभाते हुए राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप अपने विकास को सुनिश्चित करेंगे।

शुभकामनाओं सहित,

(ब्रजेश मेहरोत्रा)
राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव

वर्ष-2, अंक-10, अक्टूबर 2019
प्रधान सम्पादक
ब्रजेश मेहरोत्रा

कार्यकारी सम्पादक
विनोद कुमार

सम्पादक मंडल
संजय कुमार
सुनील कुमार पाठक

सम्पादकीय पता: जन-सम्पर्क शाखा, राजभवन, पटना-22
ई मेल- pr.rajbhavan@gmail.com
दूरभाष- 0612-2786119

इस अंक में

- महामहिम राज्यपाल से भारतीय विदेश सेवा के अधिकारी मिले
- राजभवन में 'पोषण माह' के अन्तर्गत 'अन्नप्राशन समारोह' आयोजित
- राज्यपाल ने पटना विश्वविद्यालय, ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा तथा कामेश्वर सिंह संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा की गतिविधियों की समीक्षा की
- राजभवन में जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा, वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा तथा मगध विश्वविद्यालय, बोधगया की गतिविधियों की समीक्षा हुई
- राज्यपाल द्वारा मुंगेर विश्वविद्यालय, बी.आर.ए. बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर एवं पूर्णिया विश्वविद्यालय की अकादमिक गतिविधियों एवं कार्य–प्रगति की समीक्षा की गई
- बी.एन. मंडल विश्वविद्यालय, मधेपुरा, पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय, पटना तथा तिलका माँझी भागलपुर विश्वविद्यालय की प्रगति की समीक्षा हुई
- शिष्टाचार

राजभवन में 'पोषण माह' के अन्तर्गत 'अन्नप्राशन समारोह' आयोजित

अन्नप्राशन समारोह में बच्चों और उनकी माताओं के साथ महामहिम राज्यपाल श्री फागू चौहान –19 सितम्बर, 2019

''स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का वास होता है। एक स्वस्थ इंसान ही स्वस्थ समाज का निर्माण कर सकता है। स्वस्थ रहने के लिए जरूरी है कि शरीर का भरण–पोषण सही ढंग से हो। नवजात शिशु का पालन–पोषण अगर बचपन में ही समुचित रूप में हो जाता है तो व्यक्ति को पूरी जिन्दगी भर स्वस्थ रहने में आसानी होती है।'' –उक्त उद्‌गार, महामहिम राज्यपाल श्री फागू चौहान ने राजभवन में 19 सितम्बर, 2019 को समाज कल्याण विभाग द्वारा 'राष्ट्रीय पोषण अभियान' के अन्तर्गत 'पोषण माह' (सितम्बर) में आयोजित 'अन्नप्राशन समारोह' का शुभारंभ करते हुए व्यक्त किये।

राज्यपाल श्री चौहान ने कहा कि समाज की गरीब और तंग बस्तियों में रहनेवाले विशेषतः कमजोर और अभिवंचित वर्ग के लोगों के बीच कुपोषण के खतरों को बताते हुए समुचित जानकारी देने हेतु 'विशेष जन–जागरूकता अभियान' चलाने की जरूरत है। राज्यपाल ने कहा कि माँ का दूध बच्चों के लिए अमृत के समान होता है। यह दूध उस संजीवनी के सदृश है, जिससे नवजात शिशु को आजीवन विभिन्न रोगों से लड़ने के लिए प्रतिरोधक क्षमता प्राप्त हो जाती है। श्री चौहान ने कहा कि आज समाज के हर वर्ग की महिलाओं में यह चेतना जगाने की जरूरत है कि वे अपने बच्चों को अपना दूध भरपूर मात्रा में पिलायें तथा स्वयं भी पौष्टिक आहार लेते हुए अपने को भी स्वस्थ रखें। राज्यपाल ने कहा कि माताओं को हरी साग–सब्जियों, ताजे फल, दाल, मछली, अंडे, दूध आदि पौष्टिक आहार लेना चाहिए ताकि वे स्वयं भी स्वस्थ रहें और उनके बच्चे भी पर्याप्त दुग्ध–पान कर स्वस्थ और सशक्त बन सकें। राज्यपाल ने कहा कि हरेक माता–पिता की यह जिम्मेवारी है कि वे अपने नवजात शिशुओं का सही रूप में पालन–पोषण करें ताकि उनके बच्चे बड़े होकर ठीक से पढ़े–लिखें और शारीरिक रूप से भी पूर्ण सक्षम रहकर देश और समाज की भरपूर सेवा कर सकें।

राज्यपाल ने कहा कि एक कल्याणकारी राज्य का यह दायित्व है कि वह अपने नागरिकों का हर तरह से ख्याल रखे। उन्होंने कहा कि भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की परिकल्पना के आलोक में पूरे देश में वर्तमान माह को 'पोषण माह' के रूप में आयोजित किया जा रहा है। बिहार सरकार भी इस 'पोषण माह' के अंतर्गत विभिन्न कल्याणकारी कार्यक्रम आयोजित कर रही है।

राज्यपाल श्री चौहान ने कहा कि जीवन के प्रथम 1000 दिनों में शारीरिक एवं मानसिक विकास की प्रक्रिया तेजी से घटित होती है। इसलिए इस अवधि में गर्भवती तथा प्रसूती माताओं एवं बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण पर विशेष ध्यान देने की जरूरत होती है। कुपोषण के फलस्वरूप बच्चों का नाटापन, दुबलापन एवं कम वजन का होना तथा बहुत–सी महिलाओं और बच्चों में रक्त की काफी कमी होना आम बात है, जिसपर ध्यान दिया जाना चाहिए। श्री चौहान ने कहा कि यह संतोषजनक है कि कुपोषण से मुक्ति के इस अभियान में पिछले दशक में राज्य की महिलाओं एवं बच्चों के स्वास्थ्य एवं पोषण के स्तर में अपेक्षित सुधार हुआ है। उन्होंने कहा कि इसका श्रेय सामुदायिक स्तर पर सेवा–भाव से कार्यरत हमारी आंगनबाड़ी सेविकाओं, 'आशा' कार्यकर्त्ताओं एवं ए॰एन॰एम॰ को भी जाता है।

कार्यक्रम में राज्यपाल श्री चौहान ने 6 माह के 20 नवजात शिशुओं को प्रथम आहार के रूप में पौष्टिक पोषाहार खिलाकर उनका 'अन्नप्राशन' संस्कार सम्पन्न किया। राज्यपाल ने इस अवसर पर आयोजित समाज कल्याण विभाग की प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। उन्होंने राजभवन परिसर में रंगीन बैलून आसमान में उड़ाते हुए 'पोषण माह' के अवसर पर संचालित कार्यक्रमों की

अन्नप्राशन समारोह में अपने विचार व्यक्त करते हुए महामहिम राज्यपाल श्री फागू चौहान –19 सितम्बर, 2019

सफलता की कामना की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए समाज कल्याण विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री अतुल प्रसाद ने कहा कि 'स्वस्थ भारत' की परिकल्पना के अनुरूप भारत सरकार ने वर्ष 2022 तक भारत को 'राष्ट्रीय पोषण मिशन' के तहत कुपोषणमुक्त बनाने का निर्णय लिया है तथा 0–6 वर्ष तक के बच्चों में दुबलेपन और बौनापन, अल्प पौष्टिकता एवं अन्डरवेट प्रजनन को प्रतिवर्ष 2 प्रतिशत की दर से घटाने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने बताया कि 6–59 माह के बच्चों में 3 प्रतिशत की दर से प्रत्येक वर्ष एनीमिया कम करने का भी लक्ष्य रखा गया है। अपर मुख्य सचिव श्री प्रसाद ने बताया कि कुपोषण के कारण 'अंडरवेट बच्चे' (2.5 किलो से कम वजन के) के प्रजनन में सुधार हो, इसके लिए प्रभावकारी योजनाएँ संचालित हो रही हैं। राज्य में आँगनबाड़ी सहायिका एवं सेविकाओं के द्वारा 'आँगनबाड़ी केन्द्रों' पर गर्भवती महिलाओं एवं नवजात बच्चों की स्वास्थ्य–रक्षा के लिए समुचित प्रशिक्षण, टीकाकरण एवं उपचार आदि की व्यवस्था है।

कार्यक्रम में राज्यपाल के प्रधान सचिव श्री ब्रजेश मेहरोत्रा, अपर सचिव श्री विजय कुमार सहित राज्यपाल सचिवालय एवं समाज कल्याण विभाग के कई वरीय अधिकारीगण, समाज कल्याण एवं स्वास्थ्य कार्यकर्त्तागण आदि भी उपस्थित थे।

कार्यक्रम में स्वागत–भाषण आई॰सी॰डी॰एस॰ के निदेशक श्री आलोक कुमार ने किया तथा धन्यवाद–ज्ञापन पोषाहार सलाहकार डॉ॰ मनोज कुमार ने किया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती सोमा चक्रवर्ती ने किया।

अन्नप्राशन समारोह के अन्तर्गत 'पोषण अभियान' का उद्घाटन करते हुए महामहिम राज्यपाल श्री फागू चौहान –19 सितम्बर, 2019

अन्नप्राशन समारोह में बच्चों को प्रथम बार अन्न खिलाते हुए महामहिम राज्यपाल श्री फागू चौहान –19 सितम्बर, 2019

राज्यपाल ने पटना विश्वविद्यालय, ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा तथा कामेश्वर सिंह संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा की गतिविधियों की समीक्षा की

पटना विश्वविद्यालय, पटना की समीक्षा बैठक में महामहिम राज्यपाल श्री फागू चौहान –04 सितम्बर, 2019

महामहिम राज्यपाल–सह– कुलाधिपति श्री फागू चौहान ने उच्च शिक्षा में गुणात्मक–सुधार के प्रयासों की प्रगति की विश्वविद्यालयवार समीक्षा के अपने निर्णय के आलोक में 4 सितम्बर, 2019 को प्रथम दिन पटना विश्वविद्यालय, ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा तथा कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय की गतिविधियों की समीक्षा की।

समीक्षा बारी–बारी सम्पन्न हुई, जिसमें संबंधित विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रतिकुलपति, कुलसचिव, परीक्षा–नियंत्रक, वित्तीय सलाहकार सहित इन विश्वविद्यालयों के अन्य प्रमुख वरीय अधिकारी सहित राज्यपाल सचिवालय एवं शिक्षा विभाग के भी वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक को संबोधित करते हुए राज्यपाल श्री चौहान ने कहा कि राज्य में उच्च शिक्षा के विकास–प्रयासों को तेज किए जाने के क्रम में यह आवश्यक है कि विश्वविद्यालयवार उपलब्धियों पर चर्चा किए जाने के साथ–साथ समस्याओं एवं चुनौतियों पर भी गंभीरतापूर्वक विचार हो। उन्होंने कहा कि योजनाओं के कार्यान्वयन में तेजी से प्रगति हो, इसके लिए जरूरी है कि संबंधित कार्यकारी एजेन्सियों के बीच पारस्परिक समन्वय सही रूप में रहे। राज्यपाल ने कहा कि छात्रहित सर्वोपरि है, अतएव सभी योजनाओं के कार्यान्वयन में गुणवत्ता एवं पारदर्शिता पर विशेष ख्याल रखा जाना चाहिए।

लगातार तीन घंटे से भी अधिक चली समीक्षा बैठक में सर्वप्रथम ***पटना विश्वविद्यालय*** के कुलपति प्रो॰ रास बिहारी प्रसाद सिंह ने 'पावर प्रेजेन्टेशन' के जरिये बताया कि उनके यहाँ सभी परीक्षाएँ समय से संचालित हो रही हैं तथा विश्वविद्यालयीय वेबसाईट पर पूरे परीक्षा एवं एकेडमिक कैलेण्डर की अपलोडिंग कर दी गई है। बैठक में कुलपति ने बताया कि विगत पाँच वर्षों की उपलब्धियों के मूल्यांकन के आधार पर विश्वविद्यालय को नैक का बी (+) ग्रेड मिला है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि मौजूदा समय में हो रही विश्वविद्यालय की तेजी से प्रगति की बदौलत निश्चय ही विश्वविद्यालय की आगामी ग्रेडिंग में संतोषजनक सुधार हो सकेगा। कुलपति ने अपनी पावर–प्रस्तुति के जरिये बताया कि उनके विश्वविद्यालय के अंतर्गत पटना वीमेंस कॉलेज, मगध महिला कॉलेज तथा कॉलेज ऑफ आर्ट्स एण्ड क्रॉफ्ट का 'नैक प्रत्ययन' (NAAC Accreditation) हो गया है, जबकि कुछ कॉलेजों के लिए नैक–टीम का दौरा निर्धारित होने वाला है। उन्होंने उम्मीद जाहिर की कि पटना विश्वविद्यालय के सभी कॉलेजों को 'नैक–मान्यता' निकट भविष्य में मिल जाएगी। कुलपति ने कहा कि बी॰एड॰ गेस्ट फेकेल्टी के रूप में 30, सामान्य विषयों की गेस्ट फेकेल्टी के रूप में 97 तथ पी॰जी॰ सेल्फ फिनान्स कोर्स के लिए 12 पार्ट टाईम शिक्षकों की नियुक्ति हुई है। उन्होंने सुझाव दिया कि 'गेस्ट फेकेल्टी' कि लिए भी अन्य नियमित शिक्षकों की तरह महाविद्यालय/विभाग में बिताये जानेवाले अनिवार्य छंटों का निर्धारण अवश्य होना चाहिए ताकि वे भी पाठ्यक्रमेतर गतिविधियों के आयोजन में सहयोग कर सकें।

कुलपति ने कहा कि हर महीने की 26 तारीख को पटना विश्वविद्यालय परिसर में 'पेंशन अदालत' लगाकर सेवांत लाभ के मामलों का निष्पादन होता है। उन्होंने राज्यपाल को जानकारी दी कि सेवानिवृत्त होनेवाले शिक्षकों/गैर शिक्षकेत्तर कर्मियों को सेवानिवृत्ति के दिन ही पेंशन–पेपर, लीव इनकैशमेंट, ग्रेच्यूटी, जी॰पी॰एफ॰ की संचित राशि तथा ग्रुप बीमा की राशि का भुगतान विश्वविद्यालय द्वारा कर दिया जाता है।

समीक्षा–बैठक के दौरान कुलपति द्वारा बताया गया कि पटना जिला के 5 गाँवों –ढिबरा (दानापुर प्रखंड), छितवन (मनेर), धवलपुर (पटना सदर), सोनचक (फुलवारी) एवं बहुवारा (संपतचक) को विश्वविद्यालय द्वारा गोद लेते हुए यहाँ की शिक्षण–व्यवस्था में सुधार के प्रयास किए जा रहे हैं। कुलपति द्वारा अनुरोध किया गया कि छात्राओं की महाविद्यालयीय शिक्षा निःशुल्क किए जाने के फलस्वरूप महाविद्यालयों को जो राशि राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध करायी जानेवाली है, उससे संबंधित आबंटन शिक्षा विभाग द्वारा शीघ्र संचारित होने चाहिए।

बैठक में शोध–प्रोजेक्टों की स्थिति, यू॰एम॰आई॰एस॰ तथा बायोमैट्रिक व्यवस्था के संचालन, नेशनल एकेडमिक डिपोजिटरी (NAD) तथा नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी (NDL) के कार्यान्वयन आदि पर भी चर्चा हुई।

ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा की समीक्षा के क्रम में पाया गया कि विश्वविद्यालय में परीक्षा–कैलेण्डर के अनुपालन की स्थिति संतोषजनक है। विश्वविद्यालय के कुलपति श्री एस॰के॰ सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय के 42 अंगीभूत महाविद्यालयों में 29 कॉलेजों को नैक की मान्यता प्राप्त है। 13 अंगीभूत कॉलेजों ने 'नैक' की मान्यता हेतु आई॰आई॰क्यू॰ए॰ तथा 9 ने एस॰एस॰आर॰ भी दाखिल कर दिया है। उन्होंने बताया कि डिजिटल

कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय की समीक्षा करते हुए महामहिम राज्यपाल श्री फागू चौहान –04 सितम्बर, 2019

पहलों (Digital Initiatives) के लिए चार डिग्री कॉलेजों को 'पायलट प्रोजेक्ट' के लिए चुन लिया गया है। उन्होंने बताया है कि यू.एम.आई.एस. के तहत 'स्टूडेंट साईकिल' से जुड़ी योजनाएँ कार्यान्वित हो चुकी हैं। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय की प्रस्तावित 38 शोध–परियोजनाओं में से 28 अनुमोदित हो चुकी हैं। उन्होंने जानकारी दी कि विश्वविद्यालय के अधीन 10032 वृक्षों को लगाया जा चुका है। कुलपति ने बताया कि 'बी.एड.पोस्ट' एवं 'एच.एड. पोस्ट' के तहत फोटो अपलोडिंग सही रूप में हो रही है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में किसी भी प्रकार के किसी कॉलेज की सम्बद्धता (Affiliation) का मामला विचाराधीन नहीं है। उन्होंने बताया कि ऑनलाईन डिग्री प्राप्ति के 325 अभ्यावेदनों में से 36 को डिग्री दी जा चुकी है। कुलपति को 'ऑनलाईन डिग्री–वितरण' के काम में तेजी लाने को कहा गया। कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय के सभी विभागों एवं अंगीभूत महाविद्यालयों में 'बायोमैट्रिक सिस्टम' संस्थापित है तथा इसका समुचित अनुश्रवण हो रहा है। कुलपति ने बताया कि पुस्तकालय एवं प्रयोगशालाओं के सुदृढ़ीकरण हेतु राज्य सरकार द्वारा आबंटित राशि कॉलेजों को उपाबंटित की जा चुकी है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि विश्वविद्यालय में 387 अतिथि प्राध्यापकों की सेवा ली जा रही है। उन्होंने बताया कि खेलकूद प्रतियोगिता 'एकलव्य' एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता 'तरंग' में विश्वविद्यालय की प्रभावशाली प्रतिभागिता के लिए आवश्यक सभी तैयारियाँ की जा रही हैं। कुलपति श्री सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय 68 गाँवों को गोद लेकर अपने एन.एस.एस. छात्रों के माध्यम से वहाँ विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम संचालित कर रहे हैं। कुलपति ने प्रत्येक माह की 05 तारीख को नियमित 'पेंशन अदालत' आयोजित किए जाने की भी जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि जन शिकायत कोषांग में दाखिल 95 मामलों में 62 को निष्पादित किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि 'खेलो इंडिया' कार्यक्रम के तहत फुटबॉल के सिन्थेटिक टर्फ निर्माण, स्वीमिंग पुल–निर्माण, इंडोर स्टेडियम निर्माण आदि कि लिए योजनाएँ प्रस्तावित की गई हैं।

समीक्षा के दौरान **कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय** के कुलपति प्रो. सर्वनारायण झा ने बताया कि विश्वविद्यालय में कोई भी परीक्षा या परिणाम लंबित नहीं है। उन्होंने बताया कि 2020 की सभी स्नातक परीक्षाएँ 30 मई, 2020 तक आयोजित कराते हुए 30 जून, 2020 तक परिणाम घोषित हो जाएँगे। उन्होंने कहा कि सत्र नियमित संचालित हो रहे हैं।

उन्होंने बताया कि 31 अंगीभूत कॉलेजों में से 4 को नैक मान्यता मिल चुकी है तथा 11 के आई.आई.क्यू.ए. एवं 09 के एस.एस.आर. दाखिल हो चुके हैं। उन्होंने बताया कि 'यू.एम.आई.एस.' के तहत 'स्टूडेंट लाईफ साईकिल' कार्यान्वित हो चुका है। प्रो. झा बताया कि वर्ष 2019 में विश्वविद्यालय मुख्यालय में 500 तथा अंगीभूत कॉलेजों में अबतक 734 वृक्ष लगाये जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय मुख्यालय, स्नातकोत्तर विभाग तथा 18 अंगीभूत महाविद्यालयों में 'बायोमैट्रिक उपकरण' संस्थापित हो चुके हैं। कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय में 124 अतिथि प्राध्यापकों की नियुक्तियाँ भी हो चुकी हैं। कुलपति प्रो. झा ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा एन.एस.एस. छात्रों के माध्यम से कुल 26 गाँवों को गोद लिया जा चुका है, जहाँ स्वच्छता, रक्तदान, बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ हेतु जागरूकता आदि कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं। समीक्षा में सेवांत–लाभ के मामलों की स्थिति भी संतोषजनक पायी गई। महामहिम राज्यपाल ने संस्कृत–शिक्षण के विकास हेतु इसे आधुनिक परिवेश एवं जरूरतों के अनुरूप विकसित करने पर जोर दिया।

राज्यपाल ने तीनों विश्वविद्यालयों की समीक्षा के उपरान्त इनमें कार्यान्वित कार्यक्रमों की प्रगति पर प्रसन्नता व्यक्त की तथा कहा कि विश्वविद्यालयों में डिजिटीकरण विषयक योजनाओं पर तेजी से अमल की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि नियमित वेतन–भुगतान एवं सेवांत–लाभ भुगतान पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। राज्यपाल ने तीनों विश्वविद्यालयों के कुलपतियों को निदेशित किया कि नामांकन पूरा हो जाने के एक महीने के बाद छात्रसंघों के चुनाव यथाशीघ्र कार्यक्रमानुरूप आयोजित होने चाहिए ताकि विश्वविद्यालयों की प्रगति एवं नीति–निर्धारण में छात्रों की भी सहभागिता सुनिश्चित हो सके।

बैठक में राज्यपाल के प्रधान सचिव श्री ब्रजेश मेहरोत्रा ने कहा कि विश्वविद्यालय में निर्माण–योजनाओं में पारदर्शिता एवं और तेजी लाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि ऑनलाईन डिग्री प्रमाण–पत्र वितरण के कार्य को ससमय तत्परतापूर्वक किया जाना चाहिए अन्यथा संबंधित अधिकारियों के विरूद्ध कार्रवाई होगी।

बैठक में कुलपतियों ने विश्वविद्यालयवार उपलब्धियों एवं चुनौतियों की समीक्षा के कुलाधिपति के निर्णय पर संतोष और प्रसन्नता व्यक्त की।

राजभवन में जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा, वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा तथा मगध विश्वविद्यालय, बोधगया की गतिविधियों की समीक्षा हुई

जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा की समीक्षा बैठक में महामहिम राज्यपाल श्री फागू चौहान –06 सितम्बर, 2019

महामहिम राज्यपाल–सह–कुलाधिपति श्री फागू चौहान ने 6 सितम्बर, 2019 को राजभवन सभागार में आयोजित एक उच्चस्तरीय बैठक में जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा, वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा तथा मगध विश्वविद्यालय, बोधगया की अकादमिक एवं शैक्षणिक गतिविधियों तथा प्रगति की गहन समीक्षा की। बैठक में तीनों विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रतिकुलपति, कुलसचिव, परीक्षा नियंत्रक, वित्तीय सलाहकार, इंस्पेक्टर ऑफ कॉलेजेज तथा शिक्षा विभाग एवं राज्यपाल सचिवालय के वरीय अधिकारीगण आदि उपस्थित थे।

महामहिम राज्यपाल श्री चौहान ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि 'अकादमिक एवं शैक्षणिक कैलेण्डर' का हर हालत में पालन सुनिश्चित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आगामी जून, 2020 तक सभी विश्वविद्यालयों में सभी पाठ्यक्रमों के सत्र नियमित रूप से ससमय संचालित होने शुरू हो जाने चाहिए।

राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालयों में शिक्षकों की उपस्थिति यू.जी.सी. के निर्धारित मानकों के अनुरूप सुनिश्चित करायी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि कार्य–दिवसों में शिक्षकों या शिक्षकेत्तर कर्मियों की अनियमित अनुपस्थिति अक्षम्य होगी तथा बिना सूचना के अनुपस्थित रहनेवाले शिक्षकों एवं शिक्षकेत्तर कर्मियों के विरूद्ध अनुशासनिक कार्रवाई की जायेगी।

मगध विश्वविद्यालय, बोधगया तथा वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा में 'बायोमैट्रिक उपस्थिति उपकरणों' के क्षतिग्रस्त किये जाने की बात सामने आने पर कुलाधिपति श्री चौहान ने कहा कि इसके लिए दोषी व्यक्तियों के विरूद्ध कठोर अनुशासनिक कार्रवाई की जानी चाहिए एवं आपराधिक मामले दर्ज कराये जाने चाहिए। राज्यपाल ने बैठक के दौरान निदेशित किया कि जो शिक्षक या शिक्षकेत्तर कर्मी समय पर विश्वविद्यालय/ महाविद्यालय/ कार्यालय नहीं आते, उनके द्वारा उपलब्ध कराये गए अपने आवासीय पते की जाँच करायी जानी चाहिए तथा किसी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर उनके आवासीय भत्ते के भुगतान पर रोक लगाते हुए उनके विरूद्ध अनुशासनिक कार्रवाई की जानी चाहिए।

राज्यपाल ने बैठक के दौरान निदेशित किया कि बायोमैट्रिक उपस्थिति विधि का समुचित उपयोग होना चाहिए तथा वेतन भुगतान के क्रम में इसके जरिये प्राप्त प्रतिवेदन को आधार बनाया जाना चाहिए।

बैठक को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों की 'नैक मान्यता' हेतु तत्परतापूर्वक प्रयास किए जाने की जरूरत पर जोर दिया।

राज्यपाल ने बैठक में कुलपतियों को संबोधित करते हुए कहा कि न्यायालय में लंबित वादों के निष्पादन हेतु समुचित प्रयास किए जाने चाहिए। उन्होंने कि न्यायिक आदेशों के अनुपालन में भी पूरी तत्परता बरती जानी चाहिए; ताकि अवमानना वादों का सामना करने की नौबत ही नहीं आए।

राज्यपाल ने कहा कि 'नेशनल एकेडमिक डिपोजिटरी' (NAD) तथा 'नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी' (NDL) की व्यवस्था को विश्वविद्यालयों में तत्परतापूर्वक कार्यान्वित करने पर ध्यान दिया जाना चाहिए ताकि अत्याधुनिक ढंग से शिक्षण–व्यवस्था का विद्यार्थी समुचित लाभ उठा सकें। राज्यपाल ने बैठक में निदेशित किया कि राज्य के सभी विश्वविद्यालयों के अंगीभूत कॉलेजों में तत्काल एक–एक 'स्मार्ट क्लासेज' यथाशीघ्र प्रारंभ कराये जाने चाहिए।

राज्यपाल ने जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा, वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा तथा मगध विश्वविद्यालय, बोधगया की बारी–बारी से हुई समीक्षा के दौरान तीनों विश्वविद्यालयों के कुलपतियों को मौजूदा शैक्षणिक–सत्र हेतु नामांकन पूरा हो जाने के बाद यथाशीघ्र छात्रसंघ के भी चुनाव हेतु आवश्यक कार्रवाई करने का निदेश दिया।

जय प्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा की समीक्षा के दौरान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो॰ हरिकेश सिंह द्वारा अपने 'पावर प्रेजेन्टेशन' के माध्यम से यह बताया गया कि आगामी जून, 2020 से उनके विश्वविद्यालय का शैक्षणिक सत्र नियमित रूप से ससमय संचालित होने लगेगा। उन्होंने बताया कि तबतक पूर्वलंबित सभी परीक्षाओं के परिणाम भी घोषित हो जाएँगे। प्रो॰ सिंह द्वारा जानकारी दी गई कि जय प्रकाश विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित कुल 21 अंगीभूत महाविद्यालयों में से 6 को 'नैक' की मान्यता मिल चुकी है, 6 ने आई॰आई॰क्यू॰ए॰ एवं एस॰एस॰आर॰ दोनों दाखिल कर दिया है तथा शेष 9 ने भी आई॰आई॰क्यू॰ए॰ दाखिल करने के बाद एस॰एस॰आर॰ दाखिल करने की कार्रवाई प्रारंभ कर दी है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय की प्रस्तावित कुल 8 परियोजनाओं में से 6 को स्वीकृति प्राप्त हो चुकी

है। कुलपति ने जानकारी दी कि विश्वविद्यालय परिसर तथा विभिन्न महाविद्यालयों को मिलाकर इस वर्ष 4650 से भी अधिक वृक्षारोपण कराये गए हैं। महामहिम राज्यपाल ने नये लगाये गए वृक्षों की सुरक्षा एवं उनके समुचित रख–रखाव का निदेश कुलपति को समीक्षा के दौरान दिया। कुलपति ने बताया कि 'बी॰एड॰पोस्ट' एवं 'एच॰एड॰ पोस्ट' के लिए फोटो अपलोडिंग का काम उनके यहाँ संतोषजनक है तथा इसमें लापरवाही बरतने वाले महाविद्यालयों के विरूद्ध कार्रवाई हो रही है। ऑन–लाईन डिग्री–वितरण की समीक्षा के क्रम में प्राप्त कुल 3796 अभ्यावेदनों में से सिर्फ 348 के ही तैयार हो पाने पर चिंता व्यक्त की गई एवं प्राप्त अभ्यावेदनों पर त्वरित कार्रवाई के निदेश दिये गये। विश्वविद्यालय को खेलकूद एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में प्राप्त उपलब्धियों पर समीक्षा के दौरान संतोष व्यक्त किया गया तथा 'एकलव्य' एवं 'तरंग' प्रतियोगिताओं में प्रतिभागिता हेतु और बेहतर ढंग से तैयारी के निदेश दिये गये। लंबित पेंशनादि तथा सेवांत–लाभ के मामलों के त्वरित निष्पादन हेतु भी कुलपति को कहा गया। कुलपति ने बताया कि 17 विषयों में 339 अतिथि प्राध्यापकों (Guest Teachers) की नियुक्तियाँ प्रावधानों के अनुरूप की गई हैं। उन्होंने शिक्षा विभाग से इन शिक्षकों के वेतन–भुगतान हेतु शीघ्र आबंटन संचारित करने का अनुरोध किया। कुलपति द्वारा बताया गया कि छात्रों के शिकायती कुल 2786 अभ्यावेदनों में से 2363 तथा शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मियों के कुल 23 अभ्यावेदनों में से 19 को निस्तारित किया जा चुका है। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा कुल 155 गाँवों को गोद लेते हुए उन्हें एन॰एस॰एस॰ एवं अन्य विद्यार्थियों के माध्यम से 'मॉडल गाँव' के रूप में विकसित किए जाने की कार्रवाई की जा रही है। कुलपति ने राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी के 150वें जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में 'स्वच्छता अभियान' तथा 'वन टाइम प्लास्टिक अभियान' संचालित कराने की भी जानकारी दी।

वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा की प्रगति की जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो॰ देवी प्रसाद तिवारी ने बताया कि इस विश्वविद्यालय में भी शैक्षणिक–सत्र जून, 2020 से नियमित रूप से संचालित होने लगेंगे। बैठक में कुलपति ने 'बायोमैट्रिक उपकरणों' के सही उपयोग नहीं हो पाने की जानकारी दी, इसपर उन्हें समुचित कार्रवाई के निदेश महामहिम राज्यपाल द्वारा दिये गये। कुलपति ने बताया कि वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा के अधीन 18 अंगीभूत महाविद्यालयों में से 10 को 'नैक' की मान्यता मिल चुकी है तथा8 महाविद्यालयों ने भी 'आई॰आई॰क्यू॰ए॰' एवं 'एस॰एस॰आर॰' दाखिल कर दिया है। कुलपति को विश्वविद्यालय में शीघ्र गेस्ट फेकेल्टी की नियुक्तियाँ करने का निदेश दिया गया ताकि अध्यापन कार्य बाधित नहीं हो। कुलपति ने बताया कि वृक्षारोपण तथा 'गाँव गोद लेने' के कार्यक्रमों में भी उनके यहाँ प्रगति संतोषजनक है। उन्होंने बताया कि बी॰पी॰एस॰सी॰ द्वारा नवनियुक्त शिक्षकों की कॉलेजों/विभागों में पदस्थापना उनके द्वारा की जा चुकी है। कुलपति को 'सी॰एफ॰एम॰एस॰' पर सभी कर्मियों के डाटा शीघ्र अपलोड करने तथा छात्राओं के शिक्षण–शुल्क से संबंधित आबंटन–अधियाचना शीघ्र शिक्षा विभाग को भेज देने को कहा गया।

मगध विश्वविद्यालय, बोधगया की समीक्षा के क्रम में वहाँ के प्रभारी कुलपति प्रो॰ देवी प्रसाद तिवारी ने बताया कि कुल 19 अंगीभूत कॉलेजों में से 8 को 'नैक प्रत्ययन' प्राप्त हो चुका है तथा 9 ने आई॰आई॰क्यू॰ए॰ एवं एस॰एस॰आर॰ भी दाखिल कर दिया है। उन्होंने विश्वविद्यालय के अधीन 4 शोध परियोजनाओं के अनुमोदन की भी जानकारी दी। उन्होंने ऑन–लाईन डिग्री के लिए प्राप्त कुल 3338 अभ्यावेदनों में से 551 प्रमाण–पत्रों के वितरण की जानकारी दी। कुलपति को यथाशीघ्र शेष डिग्री–प्रमाण–पत्र वितरित करने हेतु निदेश प्रदान किए गये। उन्होंने बताया कि सभी 19 अंगीभूत कॉलेजों ने एक–एक 'गाँवों को गोद' लेकर उन्हें विकसित करने का संकल्प लिया है।

बैठक के दौरान राज्यपाल के प्रधान सचिव श्री ब्रजेश मेहरोत्रा ने सुझाव दिया कि 'नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी' में छात्रों के रजिस्ट्रेशन को अपरिहार्य बनाते हुए उनके ऑनलाईन–फॉर्म भरने के क्रम में ही यह प्रावधानित कर दिया जाना चाहिए, इससे संबद्धन के बाद ही सॉफ्टवेयर में वे आगे के चरणों में प्रविष्ट हो सकें। प्रधान सचिव ने 'गोद लिए गये गाँवों' में विश्वविद्यालयीय छात्रों की गतिविधियों की वीडियो क्लीपिंग भी राजभवन एवं विश्वविद्यालयों को उपलब्ध कराने की व्यवस्था बनाने का सुझाव दिया। बैठक में 'तरंग' एवं 'एकलव्य' में सर्वोत्कृष्ट घोषित प्रतिभागियों को नामांकन में कुछ अंकों की छूट दिये जाने पर भी विचार हुआ।

बैठक में राज्यपाल ने विश्वविद्यालयों में उच्च शिक्षा की सुधार–प्रक्रिया को तेज करने के निदेश विश्वविद्यालयों के सभी संबंधित अधिकारियों को दिये तथा इस दिशा में उनके द्वारा अबतक किये गये प्रयासों पर संतोष व्यक्त किया।

वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा की समीक्षा बैठक में महामहिम राज्यपाल श्री फागू चौहान –06 सितम्बर, 2019

राज्यपाल द्वारा मुंगेर विश्वविद्यालय, बी०आर०ए० बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर एवं पूर्णिया विश्वविद्यालय की अकादमिक गतिविधियों एवं कार्य-प्रगति की समीक्षा की गई

मुंगेर विश्वविद्यालय, मुंगेर की समीक्षा बैठक में महामहिम राज्यपाल श्री फागू चौहान –07 सितम्बर, 2019

महामहिम राज्यपाल–सह– कुलाधिपति श्री फागू चौहान की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय बैठक 7 सितम्बर, 2019 को राजभवन में आयोजित की गई, जिसमें मुंगेर विश्वविद्यालय, बी०आर०ए० बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर एवं पूर्णिया विश्वविद्यालय, पूर्णिया की अकादमिक एवं शैक्षणिक गतिविधियों तथा कार्य–प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में राज्यपाल के प्रधान सचिव श्री ब्रजेश मेहरोत्रा, मुंगेर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो॰ रंजीत कुमार वर्मा, बी०आर०ए० बिहार विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलपति–सह–प्रतिकुलपति प्रो॰ डॉ॰ आर०के॰ मंडल तथा पूर्णिया विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो॰ राजेश सिंह सहित उक्त तीनों विश्वविद्यालयों के प्रतिकुलपति, कुलसचिव, परीक्षा–नियंत्रक, वित्तीय सलाहकार, महाविद्यालय निरीक्षक सहित शिक्षा विभाग एवं राज्यपाल सचिवालय के वरीय अधिकारियों ने भी भाग लिया।

बैठक को संबोधित करते हुए राज्यपाल–सह–कुलाधिपति श्री चौहान ने कहा कि राज्य में उच्च शिक्षा में गुणवत्ता–विकास के लिए यह आवश्यक है कि हर हालत में एकेडमिक एवं शैक्षणिक कैलेण्डर को ससमय संचालित किया जाये। राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालय–विभागों तथा महाविद्यालयों में कक्षाओं का नियमित संचालन हो तथा शैक्षणिक सभी गतिविधियाँ निर्धारित कार्यक्रम के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण संचालित हों –इसके लिए आवश्यक है कि सभी कुलपति महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयीय विभागों पर अपनी सघन अनुश्रवण– व्यवस्था बहाल रखें। राज्यपाल ने कहा कि कुलपति स्वयं विश्वविद्यालय में रहते हुए शिक्षकों एवं अन्य शिक्षकेत्तर कर्मियों को भी अपने शिक्षण–संस्थानों एवं कार्यालयों में नियमित रूप से उपस्थित रहने के लिए प्रेरित करें।

राज्यपाल ने कहा कि परीक्षाओं का नियमित एवं स्वच्छतापूर्ण आयोजन निहायत जरूरी है। उन्होंने कहा कि परीक्षा–केन्द्रों का भी निर्धारण इस रूप में होना चाहिए कि कदाचारमुक्त वातावरण में परीक्षाएँ संचालित हो सकें। राज्यपाल श्री चौहान ने कहा कि परीक्षाफल का प्रकाशन करते हुए ससमय 'दीक्षांत–समारोहों' के जरिये डिग्री–वितरण भी समय पर सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालयों/महाविद्यालयों में पाठ्यक्रमेतर गतिविधियाँ भी पर्याप्त रूप से संचालित होनी चाहिए ताकि विद्यार्थियों का व्यक्तित्व–विकास समुचित रूप में हो सके। उन्होंने सांस्कृतिक गतिविधियों के विकास के क्रम में स्थानीय लोक कला, लोक–संस्कृति एवं लोकगीतों आदि से जुड़े कार्यक्रम प्रमुखतापूर्वक आयोजित करने का निदेश दिया।

राज्यपाल ने कहा कि 'पेंशन अदालतों' का नियमित आयोजन करते हुए सेवान्त–लाभ के लंबित मामलों का त्वरित निष्पादन बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि सेवानिवृत्त होनेवाले शिक्षकों एवं कर्मियों को सेवान्त–लाभी प्रदान करने के लिए संबंधित अभिलेखों की तैयारी छः माह पूर्व से ही शुरू कर देनी चाहिए, ताकि उनकी अधिकतर देय राशियाँ सेवानिवृत्ति के दिन ही उन्हें प्रदान की जा सकें।

राज्यपाल ने कहा कि 'बायोमैट्रिक उपस्थिति विधि' का सख्ती से अनुपालन होना चाहिए। जिन कॉलेजों में किसी वजह से बायोमैट्रिक उपकरण अबतक संस्थापित नहीं हो पाए हैं, वहाँ अविलम्ब इन्हें लगा दिया जाना चाहिए।

बैठक में ***मुंगेर विश्वविद्यालय, मुंगेर*** की उपलब्धियों एवं चुनौतियों पर अपने पावर प्रेजेन्टेशन के जरिये जानकारी देते हुए कुलपति प्रो॰ रंजीत कुमार वर्मा ने बताया कि मुंगेर विश्वविद्यालय के कुल 17 अंगीभूत कॉलेजों में से दो कॉलेज –आर॰डी॰एवं डी॰जे॰ कॉलेज, मुंगेर तथा बी॰एन॰एम॰ कॉलेज, बड़हिया को नैक मान्यता मिल चुकी है, जबकि 13 विश्वविद्यालयों के एस॰एस॰आर॰ दाखिल हो चुके हैं। उन्होंने बताया कि उनके विश्वविद्यालय में सभी परीक्षाएँ समय पर आयोजित हुई हैं तथा उनके परिणाम भी समय पर प्रकाशित हुए हैं। उन्होंने बताया कि उनकी दो शोध–परियोजनाएँ प्रस्तावित हैं जिनके अनुमोदन की प्रतीक्षा है। उन्होंने बताया कि 'UMIS' के तहत 'स्टूडेंट साईकिल' से जुड़ी गतिविधियाँ ऑन–लाईन संचालित हो रही हैं। उन्होंने बताया कि एडमिशन के कार्य अंगीभूत एवं सम्बद्धताप्राप्त महाविद्यालयों में ऑनलाईन ही पूरे किए गए हैं। कुलपति ने बताया कि 'बी॰एड॰ पोस्ट' एवं 'एच॰एड॰ पोस्ट' के जरिये फोटो अपलोडिंग का काम ससमय हो रहा है। बैठक में कुलपति को सी॰एफ॰एम॰एस॰ पर विश्वविद्यालय–शिक्षकों एवं कर्मियों के आँकड़े अपलोडिंग करने तथा छात्राओं के शुल्क से संबंधित आबंटन का माँग–पत्र शिक्षा विभाग को भेजने के निदेश दिये गये। उन्हें पुस्तकालय एवं प्रयोगशालाओं के सुदृढ़ीकरण मद में संचारित आबंटन के विरूद्ध शीघ्र 'उपयोगिता–प्रमाण पत्र' भी भेजने को कहा गया। कुलपति को 'रोस्टर क्लीयर' कराते हुए 'गेस्ट फेकेल्टी' की नियुक्ति करने के लिए भी कहा गया। वर्तमान शिक्षण–सत्र का नामांकन पूरा हो जाने के एक महीना बाद 'छात्रसंघ चुनाव' कराने हेतु भी कुलपति को निदेशित किया गया।

बी॰आर॰ए॰ बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर के प्रभारी कुलपति ने बताया कि उनके विश्वविद्यालय के कुल 39 अंगीभूत महाविद्यालयों में से 21 को 'नैक' की मान्यता प्राप्त हो चुकी है तथा 16 कॉलेजों ने एस॰एस॰आर॰ भी दाखिल कर दिया है। उन्होंने

बी॰आर॰ए॰ बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर की समीक्षा बैठक में महामहिम राज्यपाल श्री फागू चौहान –07 सितम्बर, 2019

बताया कि विश्वविद्यालय की 35 शोध परियोजनाएँ अनुमोदित भी हो चुकी हैं। कुलपति ने 'वृक्षारोपण अभियान' के तहत विभिन्न महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालय–परिसर आदि में कुल 7190 वृक्षारोपण कराये जाने की भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 2 को छोड़कर 37 अंगीभूत कॉलेजों में 'बायोमैट्रिक उपस्थिति उपकरण' संस्थापित हो गए हैं। कुलपति को 'बायोमैट्रिक उपस्थिति प्रतिवेदन' के आधार पर ही शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मियों के वेतन–भुगतान करने के आदेश दिए गये।

कुलपति को पूर्व लंबित परीक्षाओं को यथाशीघ्र सम्पन्न कराते हुए जून, 2020 तक शैक्षणिक–सत्र अद्यतन कर लेने का सख्त निदेश कुलाधिपति द्वारा दिया गया। उन्हें सभी अंगीभूत कॉलेजों में 'स्मार्ट क्लासेज' शुरू कराने 'यू॰एम॰आई॰एस॰' का सफल कार्यान्वयन करने, नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी में छात्रों का निबंधन अपरिहार्य करने के भी निदेश दिए गये।

पूर्णिया विश्वविद्यालय, पूर्णिया के कुलपति प्रो॰राजेश सिंह ने बताया कि पूर्णिया विश्वविद्यालय में अंगीभूत कुल 13 कॉलेजों में से 3 को 'नैक' मान्यता मिल चुकी है तथा शेष के एस॰एस॰आर॰ दाखिल कराने की कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि उनके विश्वविद्यालय की कोई भी परीक्षा विलम्बित नहीं है। उन्होंने बताया कि उनके विश्वविद्यालय द्वारा समर्पित कुल 7 शोध–परियोजनाओं के प्रस्तावों में से 2 को स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है। कुलपति ने बताया कि पूर्णिया विश्वविद्यालय तथा उनके क्षेत्राधीन पूर्णिया, कटिहार, अररिया एवं किशनगंज जिलों के कॉलेजों में कुल 21889 वृक्ष लगाये गये हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय में 'प्लांट कैफेटेरिया' बनाये जाने की योजना की भी जानकारी दी जिसमें तालाब, हर्बल गार्डेन आदि का भी प्रावधान होगा। कुलपति ने विश्वविद्यालय में क्रीड़ा एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं के आयोजन तथा 'एकलव्य' एवं 'तरंग' की तैयारियों की भी जानकारी दी।

राज्यपाल–सह–कुलाधिपति ने तीनों कुलपतियों को बैठक में दिये गए निदेशों का तत्परतापूर्वक पालन करने को कहा।

पूर्णिया विश्वविद्यालय, पूर्णिया की समीक्षा बैठक में महामहिम राज्यपाल श्री फागू चौहान –07 सितम्बर, 2019

बी०एन० मंडल विश्वविद्यालय, मधेपुरा, पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय, पटना तथा तिलका माँझी भागलपुर विश्वविद्यालय की प्रगति की समीक्षा हुई

बी॰एन॰ मंडल विश्वविद्यालय, मधेपुरा की समीक्षा बैठक में महामहिम राज्यपाल श्री फागू चौहान –09 सितम्बर, 2019

महामहिम राज्यपाल–सह–कुलाधिपति श्री फागू चौहान ने बी॰एन॰ मंडल विश्वविद्यालय, मधेपुरा, पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय, पटना तथा तिलका माँझी भागलपुर विश्वविद्यालय, भागलपुर की शैक्षणिक एवं अकादमिक गतिविधियों एवं कार्य–प्रगति की समीक्षा 9 सितम्बर, 2019 को की। बैठक में राज्यपाल के प्रधान सचिव श्री ब्रजेश मेहरोत्रा, बी॰एन॰मंडल विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ॰ ए॰के॰ राय, पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो॰ (डॉ॰) गुलाब चन्द राम जायसवाल तथा तिलका माँझी भागलपुर विश्वविद्यालय के वरीय अधिकारीगण सहित राज्यपाल सचिवालय एवं शिक्षा विभाग के वरीय अधिकारियों ने भाग लिया।

राज्यपाल श्री चौहान ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि उच्च शिक्षा में गुणवत्ता –विकास के प्रयासों को तेज करते हुए विश्वविद्यालयों के शैक्षणिक वातावरण में त्वरित सुधार के प्रयास किए जायेंगे। बैठक में राज्यपाल ने कक्षाओं में शिक्षकों एवं छात्रों की उपस्थिति सुनिश्चित कराये जाने का निदेश दिया। उन्होंने कहा कि 'बायोमैट्रिक उपस्थिति' के उपकरण सिर्फ शोभा की वस्तु नहीं हैं, उनका समुचित उपयोग करते हुए शिक्षण संस्थानों में शिक्षकों, छात्रों एवं शिक्षकेत्तर कर्मियों की नियमित उपस्थिति हर हालत में सुनिश्चित करायी जाये। राज्यपाल ने निदेशित किया कि विद्यार्थियों का नामांकन, कक्षा–संचालन, परीक्षा–आयोजन तथा परीक्षाफल–प्रकाशन राज्य के विश्वविद्यालयों में निर्धारित समय पर सुनिश्चित कराया जाये ताकि छात्रों को सत्र में विलम्ब के चलते राज्य के बाहर के विश्वविद्यालयों में जाना नहीं पड़े। राज्यपाल ने कहा कि बायोमैट्रिक उपस्थिति प्रतिवेदन के आधार पर ही वेतन–भुगतान किया जाये ताकि शिक्षक/शिक्षकेत्तर कर्मी नियमित रूप से शिक्षण संस्थानों में समय पर आयें।

राज्यपाल ने कहा कि सभी विश्वविद्यालय 'रोस्टर क्लीयरेंस' कराते हुए विश्वविद्यालयों में शिक्षकों की रिक्ति से संबंधित प्रतिवेदन यथाशीघ्र शिक्षा विभाग को भेज दें। उन्होंने 'सी॰एफ॰एम॰एस॰' से शिक्षक एवं शिक्षकेत्तकर कर्मियों को शीघ्र राज्य सरकार के निदेशानुरूप जोड़े जाने की भी हिदायत दी ताकि वेतनादि के नियमित भुगतान में कोई समस्या आड़े नहीं आये।

बैठक को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि स्ववित्तपोषत पाठ्यक्रम जिन अंगीभूत महाविद्यालयों में संचालित हो रहे हैं, वहाँ सुयोग्य शिक्षकों की नियुक्ति प्रावधानों के अनुरूप होनी चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि सभी विश्वविद्यालय–परिसरों में 'प्लेसमेंट सेल' की भी स्थापना आवश्यक है, ताकि विद्यार्थियों का रोजगार के लिए 'कैम्पस सेलेक्शन' भी हो सके।

राज्यपाल ने राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी के 150वें जयन्ती–वर्ष के उपलक्ष्य में सभी विश्वविद्यालयों में गाँधी–दर्शन पर संगोष्ठियाँ, सेमिनार, 'स्वच्छता अभियान', आदि आयोजित करने का भी निदेश दिया।

राज्यपाल ने टी॰एम॰बी॰ विश्वविद्यालय, भागलपुर तथा पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय प्रशासन को क्रमशः अन्तर्विश्वविद्यालयीय क्रीड़ा प्रतियोगिता 'एकलव्य' तथा सांस्कृतिक प्रतियोगिता

पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय, पटना की समीक्षा बैठक में महामहिम राज्यपाल श्री फागू चौहान –09 सितम्बर, 2019

–'तरंग' भव्य रूप में आयोजित करने के लिए आवश्यक निदेश प्रदान किये।

बैठक में अपने पावर–प्रेजेन्टेशन के माध्यम से ***बी.एन.मंडल विश्वविद्यालय, मधेपुरा*** के कुलपति डॉ॰ ए.के॰ राय ने बताया कि उनके विश्वविद्यालय के अंतर्गत कुल 14 अंगीभूत कॉलेजों में से 3 को 'नैक' की मान्यता मिल चुकी है तथा शेष सभी ने आई॰आई॰क्यू॰ए॰ दाखिल कर दिया है। उन्होंने बताया कि छः के 'एस॰एस॰आर॰' भी दाखिल हो चुके हैं तथा शेष प्रक्रियाधीन हैं। कुलपति श्री राय ने जानकारी दी कि 'हर परिसर हरा परिसर' कार्यक्रम के तहत विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों को मिलाकर अबतक कुल 4974 वृक्षारोपण हो चुके हैं। कुलपति ने बताया कि ऑनलाईन डिग्री–वितरण के तहत 670 अग्यावेदनों 227 को डिग्री प्रमाण–पत्र उपलब्ध कराये जा चुके हैं तथा 114 प्रमाण–पत्र तैयार हो चुके हैं, जिनके वितरण की प्रक्रिया जारी है। कुलपति ने बताया कि बी॰एड॰ एवं 'एच॰एड॰' पोस्ट के तहत फोटो की अपलोडिंग सही रूप में हो रही है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के अधीन हरेक जिले में एक अंगीभूत कॉलेज को क्रीड़ा एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के 'मॉडल कॉलेज' के रूप में विकसित किया जा रहा है।

कुलपति को छात्राओं के शुल्क से संबंधित आबंटन–अनुरोध–पत्र शीघ्र शिक्षा विभाग को भेजने हेतु निदेशित किया गया।

बैठक को संबोधित करते हुए ***पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय, पटना*** के कुलपति प्रो॰ (डॉ॰) गुलाब चन्द राम जायसवाल ने अपनी पावर–प्रस्तुति के दौरान बताया कि उनके विश्वविद्यालय के अधीन कुल 25 अंगीभूत महाविद्यालयों में से 11 को 'नैक' की मान्यता प्राप्त हो चुकी है जिनमें दो महाविद्यालयों को 'ए' ग्रेड हासिल है। उन्होंने बताया कि शेष सभी कॉलेजों ने 'आई॰आई॰क्यू॰ए॰ दाखिल कर दिया है। कुलपति ने कहा कि 'स्टूडेंट साईकिल' से जुड़े कार्य तत्काल 'यू॰एम॰आई॰एस॰' के जरिये संचालित हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के अधीन 1436 वृक्ष वर्ष 2019 में लगाये जा चुके हैं। कुलपति ने बताया कि 'एच॰एड॰' एवं बी॰एड॰ पोस्ट' में फोटो की अपलोडिंग सही ढंग से हो रही है। उन्होंने बताया कि 17 अंगीभूत महाविद्यालयों में 'बायोमैट्रिक उपस्थिति व्यवस्था' कार्यान्वित की जा चुकी है। कुलपति ने बताया कि उनके विश्वविद्यालय के अधिकतर अंगीभूत कॉलेजों में स्मार्ट क्लासेज चल रहे हैं।

कुलपति को अन्तर्विश्वविद्यालयीय सांस्कृतिक–प्रतियोगिता 'तरंग' के आयोजन की सभी तैयारियाँ ससमय करने हेतु निदेशित किया गया। ज्ञातव्य है कि 'तरंग' का आयोजकीय दायित्व इस बार पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय को ही दिया गया है।

टी.एम॰ भागलपुर विश्वविद्यालय, भागलपुर के 'पावर प्रेजेन्टेशन' में बताया गया कि विश्वविद्यालय के अधीन कुल 8 महाविद्यालयों को 'नैक प्रत्ययन' प्राप्त है, जिसमें मारवाड़ी कॉलेज एवं टी॰एन॰बी॰ कॉलेज, भागलपुर को 'ए' ग्रेड प्राप्त है। अधिकारियों ने बताया कि टी॰एम॰बी॰यू॰ विश्वविद्यालय को 'बी' ग्रेड प्राप्त है। उनके द्वारा बताया गया कि अधिकतर महाविद्यालयों ने आई॰आई॰क्यू॰ए॰ दाखिल कर दिया है।

प्रेजेन्टेशन में बताया गया कि विश्वविद्यालय में सेवांत–लाभ के निष्पादन के लिए 'पेंशन अदालतें' नियमित तौर पर आयोजित होती हैं तथा पेंशन एवं ग्रेच्यूटी के 136 में से 134 मामलों के निष्पादन हो चुके हैं। विश्वविद्यालय में 'छात्रसंघ चुनाव' समय पर करा लिये जाने की भी जानकारी दी गई। साथ ही यह भी बताया गया कि विश्वविद्यालय में 176 अतिथि प्राध्यापकों की नियुक्तियाँ की जा चुकी हैं।

बैठक को संबोधित करते हुए राज्यपाल के प्रधान सचिव श्री ब्रजेश मेहरोत्रा ने 'नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी' में छात्रों एवं शिक्षकों को निबंधित कराने तथा शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मियों का 'सी॰एफ॰एम॰एस॰' में डाटा अपलोडिंग अविलम्ब करने को कहा।

बैठक में तीनों विश्वविद्यालयों के वरीय अधिकारीगण उपस्थित थे।

शिष्टाचार

महामहिम राज्यपाल श्री फागू चौहान से बिहार के माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने राजभवन पहुँचकर शिष्टाचार मुलाकात की –26 सितम्बर, 2019

महामहिम राज्यपाल श्री फागू चौहान लखनऊ में उत्तरप्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार मुलाकात करते हुए
–01 सितम्बर, 2019

महामहिम राज्यपाल, बिहार श्री फागू चौहान से शिष्टाचार मुलाकात करते हुए हिमाचल प्रदेश के महामहिम राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय –23 सितम्बर, 2019

महामहिम राज्यपाल श्री फागू चौहान से राजभवन, पटना में शिष्टाचार मुलाकात करते हुए माननीय केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री श्री नित्यानंद राय –09 सितम्बर, 2019

बिहार के राज्यपाल

(स्वतंत्रता के बाद)

अखलाकुर रहमान किदवई

(14 अगस्त 1993 – 26 अप्रैल, 1998)

ये एक प्रख्यात शिक्षाविद् और राजनीतिज्ञ रहे हैं, जिन्होंने बिहार, पश्चिम बंगाल और हरियाणा राज्य के राज्यपाल के रूप में अपनी सेवाएँ दी। ये सन् 2000 से 2004 तक राज्यसभा के सदस्य भी रहे। सन् 1974 से 1977 तक ये संघ लोक सेवा आयोग के भी अध्यक्ष रहे। इन्हें 'पदम्विभूषण' सम्मान भी मिला था।

सुंदर सिंह भंडारी

(27 अप्रैल 1998 –15 मार्च, 1999)

ये 1966–1972 तक राज्यसभा के लिए राजस्थान से तथा 1976 एवं 1992 में उत्तर प्रदेश से निर्वाचित हुए थे। इन्होंने बिहार के अतिरिक्त 1999 से 2003 तक गुजरात के राज्यपाल के रूप में भी अपनी सेवाएँ दी।

राजभवन, पटना का 'नक्षत्र-वन'
जहाँ विभिन्न नक्षत्रों व राशियों से संबंधित वृक्ष लगे हैं

मुद्रक : लेजर प्रिंटर्स, पटना 4, फोन : 9334116085